राज्यपाल ने पीएचडी और एमफिल की उपाधियां वितरित कीं 29-5-2017

कुरुक्षेत्र, 29 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षान्त समारोह में आज राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने पीएचडी के 318 और एमफिल के 27 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित कीं। इसके साथ ही कुलपति ने विभिन्न विभागों के एमए के विद्यार्थियों को डिग्रिया देने की विधिवत रूप से अनुमति प्रदान की। दीक्षान्त समारोह में केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को यूनिवर्सिटी की तरफ से मानद उपाधि दी गई। केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों को मेडल दिए, मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दीक्षान्त समारोह को वार्षिक कैलेण्डर गतिविधियों में शामिल करने की घोषणा की। 30वें दीक्षान्त समारोह में कुल 2000 विद्यार्थियों को उपाधियां दी गईं।

राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने डिग्रियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं और दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को डिग्री देकर राष्ट्र और राज्य के विकास में योगदान देने का जो संदेश दिया है उस संदेश को हमेशा अपने जहन में रखना है। इसी तरह केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री मनोहर लाल को विश्वविद्यालय की तरफ से जो मानद उपाधि दी गई है यह उपाधि भी उनके जीवन को ओर आगे लेकर जाएगी। इस विश्वविद्यालय कैम्पस में 7000 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं अगर इन विद्यार्थियों को विकास की धारा के साथ जोड़ दिया जाए तो राष्ट्र प्रगति की राह पर ओर तेजी से आगे बढ़ेगा।

उन्होंने लिटरेट और एजुकेट के मायनों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा से ही जीवन में परिवर्तन लाया जा सकता है। इस शिक्षा से जीवन जीने और उपयोगिता को समझा जा सकता है। विद्यार्थियों को शिक्षित बनाने में शिक्षकों, सरकार, प्रशासन के त्याग, साधना और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सभी का एक उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को एक अच्छा इंसान बनाया जा सके। जब विद्यार्थी अपने जीवन में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता है तभी सभी का लक्ष्य पूरा होता नजर आएगा। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे महान लोगों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं शताब्दी भारत की है और इस शताब्दी में युवा पीढ़ी का अहम योगदान रहेगा।

समारोह में केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी भारत को महान बनाने में अपना योगदान दें। इस युवा पीढ़ी के योगदान से भारत फिर से जगत गुरू बन सकेगा और दुनिया को शान्ति का संदेश देगा। इस देश में जगत गुरू बनने की तमाम मौलिक जरूरते विद्यमान हैं। इससे पहले केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा, कुलसचिव डॉ. प्रवीण कुमार सैनी भारत की पारम्परिक वेशभूषा से सुसज्जित होकर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा में शामिल हुए और इस दौरान गीता के श£ोकों के साथ मेहमानों का स्वागत हुआ। इसके उपरान्त दीपशिखा प्रज्ज्वलित कर दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान कुलपति प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा के अनुरोध पर राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने विधिवत् रूप से दीक्षान्त समारोह शुरू करने की घोषणा की है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा ने विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार तैत्तिरीय उपनिषद शिक्षावल्ली की शिक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को भावी जीवन के लिए अमूल्य शिक्षाएं दी।

इस दीक्षान्त समारोह में केन्द्रीय मंत्री ने विभिन्न विभागों के गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले 59 विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री, राज्पाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन भी किया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा ने विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षान्त समारोह में पहुंचे मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रदेश का सबसे बड़ा और पुराना विश्वविद्यालय है इसलिए इस नैतिक जिम्मेदारी को आगे बढ़ाते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को डिजीटल विश्वविद्यालय बनाने के लक्ष्य को पूरा करना है। इतना ही नहीं इस विश्वविद्यालय के प्रत्येक कक्षा को स्मार्ट क्लास रूम व डिजीटल क्लास रूम बनाना है। इस विश्वविद्यालय में पहली बार लिंगानुपात की स्थिति को जहन में रखते हुए प्रत्येक कोर्स में सिंगल गर्ल चाइल्ड योजना के तहत एक सीट निर्र्धारित की गई। इस विश्वविद्यालय को ग्रीन क्लीन विश्वविद्यालय बनाने का संकल्प लिया है। कुलपति ने कहा कि जब तक नई सोच, नए विचार, नवाचार तथा गुणवत्तापूर्ण शोध की दिशा में तेजी से आगे नहीं बढेंगे। जब हम आधुनिक भारत में नालंदा, तक्षशिला जैसे संस्थानों जैसी श्रेष्ठ ज्ञान परम्पराएं शुरू नहीं कर पाएंगे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा का नालंदा व तक्षशिला बनने की ओर अग्रसर हो इसलिए विश्वविद्यालय में छोटे-छोटे प्रयास परन्तु दिव्य लक्ष्य को ध्यान में रखकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

30वां दीक्षान्त समारोह
सोमवार, 29 मई, 2017

30वां दीक्षान्त समारोह
सोमवार, 29 मई, 2017

30वां दीक्षान्त समारोह
सोमवार, 29 मई, 2017

30वां दीक्षान्त समारोह
सोमवार, 29 मई, 2017

दीक्षान्त समारोह
सोमवार, 29 मई, 2017

30वां
2017